## Ch-7

5/11/2022

Page No.:
Date: / /

### (6.) नर्मदा बचाओ आंदोलन :—

⇒ नर्मदा नदी के बचाव में नर्मदा बचाओ आन्दोलन चला। इस आंदोलन ने बाँधो के निर्माण का विरोध किया। नर्मदा बचाओ आंदोलन इन बाँधो के निर्माण से देश में चल रही विकास परियोजनाओं के औचित्य पर भी सवाल उठाता रहा है।

⇒ नर्मदा बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ताओ का गुजरात जैसे राज्यो में तीव्र विरोध हुआ है परन्तु अब सरकार और न्यायपालिका दोनों ही यह स्वीकार करते है कि लोगों को पुनर्वास मिलना चाहिए।

⇒ सरकार द्वारा सन् 2003 में स्वीकृत राष्ट्रीय पुनर्वास नीति को नर्मदा बचाओ जैसे सामाजिक आन्दोलन की उपलब्धि के रूप में देखा जा सकता है।

### (7.) जन आंदोलन के सबक :—

⇒ जन आंदोलनों का इतिहास हमें लोकतांत्रिक राजनीति को ठीक ढंग से समझने में मदद देता है।

⇒ सामाजिक - आन्दोलनों ने समाज के उन नए वर्गो की सामाजिक -आर्थिक समस्याओं को अभिव्यक्ति दी अपनी परेशानियो को चुनावी राजनीति के माध्यम से हल नहीं कर पा रहे थे।

⇒ जन आन्दोलनों द्वारा लामबंद्र की जाने वाली जनता सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित तथा अधिकारहीन वर्गों से सम्बन्ध रखती है।

PANKAJ
Page No.:
Date : / /

(8.) सूचना के अधिकार का आंदोलन :—

⇒ सूचना के अधिकार का आंदोलन जन आंदोलनो की सफलता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। यह आंदोलन सरकार से एक बड़ी मांग को पूरा करने में सफल रहा है। इस आंदोलनो की शुरुआत सन् 1990 में हुई तथा इसका नेतृत्व मजदूर किसान शक्ति संगठन ने किया।

⇒ यह माँग सबसे पहले राजस्थान के बेहद पिछले इलाके — भीम तहसील (राजसमंद) में सबसे पहले उठाई गयी थी।

⇒ सन् 1996 में मजदूर किसान संगठन (एम के एस एस) ने दिल्ली में सूचना के अधिकार को लेकर राष्ट्रीय समिति का गठन किया। इस कार्यवाही का लक्ष्य सूचना के अधिकार को राष्ट्रीय अभियान का रूप देना था।

⇒ सन् 2002 में 'सूचना की स्वतंत्रता' नाम का एक विधेयक पारित हुआ था। यह एक कमजोर अधिनियम था और इसे अमल में नहीं लाया गया।

⇒ जून 2005 में 'सूचना का अधिकार' विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गयी।

⇒ आन्दोलन के अन्तर्गत किसी समस्या से पीड़ित लोगों का धीरे-धीरे एकजुट होना और समान अपेक्षाओं के साथ एक-सी माँग उठाना जरूरी है।

★ नामदेव ढसाल :— मराठी भाषा के प्रसिद्ध कवि हैं। इनकी रचनाओं में 'गोलपीठ' की मराठी कविता' प्रसिद्ध है।

★ महेन्द्र सिंह टिकैत :— भारतीय किसान यूनियन (बी.के.यू.) के अध्यक्ष रहे हैं। यह संगठन वर्तमान में भी संचालित है।